गुरुपूर्णिमा दक्षिणा अर्पित करने हेतु आमन्त्रण

शुभ गुरुपूर्णिमा

१० जुलाई, २०२५

आत्मीय पाठक,

शुभ गुरुपूर्णिमा माह!

पूरे वर्ष, हम अपने जीवन में श्रीगुरु की अनन्त कृपा का उत्सव मनाते हैं और हम सिद्धयोग की सिखावनियों का अनुपालन करते हैं। अब, जुलाई माह के चन्द्रमा की पूर्णता के तले, हम उस मंगलमय माह में आ पहुँचे हैं जो श्रीगुरु का और भी *अधिक* पूजन-वन्दन करने हेतु समर्पित है। आपके साथ यह बात साझा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि इस समय के दौरान हमारे पास एक अति उत्कृष्ट अवसर है कि हम दक्षिणा-अर्पण द्वारा अपनी श्रीगुरु, गुरुमाई चिद्विलासानन्द के अभियान-कार्य के प्रति ठोस रूप में कुछ अर्पित करें।

वर्ष २०२५ के लिए हमारी श्रीगुरु का सन्देश है :

> अपने समय को अपने लिए लाभप्रद बनाओ।

मेरी ऐसी कामना है कि हम सभी समय देकर, उन्हें अपनी कृतज्ञता अर्पित करें जिन्होंने हमें हमारी अपनी योग्यता का बोध कराया है। इससे हमारा समय *सदा ही* लाभप्रद बनता है! और एक पावन अवसर पर दक्षिणा अर्पित करने से हमारे अभ्यासों के फलों में कई गुना वृद्धि होती है।

जब मैं दक्षिणा अर्पित करती हूँ तो मुझे अपने हृदय में बड़ी प्रबलता से ऐसे स्पन्दनों की अनुभूति होती है जो मुझे अन्तर-दिव्यता की ओर ले जाते हैं; मुझे इसकी सुमधुर परिपूर्णता की अनुभूति होती है। मुझे गहनता से यह अनुभव होता है कि परमेश्वर की जो शक्ति इस ब्रह्माण्ड में प्रत्यक्ष रूप से स्पन्दित है, वह वही शक्ति है जिसे मेरी श्रीगुरु ने मेरे अन्दर जाग्रत किया है। इससे मेरे अन्तर में करुणा के सद्गुण का उदय हुआ है और मैं अपनी सम्पूर्ण सत्ता में इसके सूक्ष्म अमृत का रसास्वादन करती हूँ। मैं सदा-सर्वदा अपनी श्रीगुरु के प्रति कृतज्ञ हूँ।

आदर सहित,
स्वामी इन्दिरानन्द

कमल की तस्वीर : © बहमन फ़रज़ाद

चन्द्रमा की तस्वीर : परन्तप एलेक्सिस कुर्शिनो

सिद्धयोग®

© २०२५ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।